www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
25 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 86 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय गीत का अपमान करना अब पड़ेगा भारी

नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस ऐतिहासिक फैसले का मकसद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी वही कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान यानी जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल संसद से पास हो जाता है, तो जानबूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना, उसे रोकना या कार्यक्रम में व्यवधान पैदा करना कानून के तहत अपराध माना जाएगा। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सम्मान और देश की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए उठाया गया है। यह बिल 1971 के राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव करता है। अभी इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का अपमान दंडनीय है। संशोधन के बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी इसी कानून के दायरे में लाया जाएगा। बिल के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम के गायन को रोकता है या उसमें बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकेगी। ऐसे मामले में अधिकतम तीन साल की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। हालांकि, यह तभी लागू होगा जब बिल संसद से पास होगा।

माता-पिता की जगह मोबाइल ले रहा, यह आपदा है

संयुक्त परिवार को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त परिवार प्रणाली के लगातार खत्म होने और एकल परिवारों में बच्चों को समय देने के बजाय मोबाइल-गैजेट्स थमा देने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता और नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि माता-पिता की जगह गैजेट्स (मोबाइल) ले लेंगे, तो यह स्थिति समाज के लिए विनाशकारी साबित होगी और आने वाली पीढ़ी पारिवारिक रिश्तों व बंधनों से पूरी तरह अनजान हो जाएगी। दरअसल, हाल ही में पति-पत्नी की हत्या की घटनाओं में, जिनमें सोनम रघुवंशी का मामला भी

शामिल है, इसका विश्लेषण करते हुए स्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि यह बदलते समाज का प्रतिबिंब है। पीठ ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी अधिक बुद्धिमान और जानकार है, लेकिन आज की पीढ़ी अत्यधिक दबाव झेलने में सक्षम नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल लोग व्हाट्सएप पर प्रसारित संदेशों पर भरोसा करते हैं और उन्हें ज्ञान मान लेते हैं। अदालत की चिंता से सहमत होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक सामाजिक समस्या बन गई है और मानवीय संबंधों में विश्वास कम हो रहा है तथा सहिष्णुता की कमी हो रही है।

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक बारिश का तांडव

- अहमदाबाद-सूरत समेत 5 शहरों में पानी भरा, बाजार डूबे
- यूपी में सड़क पर नाव चली, असम में बाढ़ से त्राहिमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए। वहीं महाराष्ट्र के भी बुरे हाल हैं। कई जिलों में बारिश आपदा बन गई है। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया। ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बढ़ी समस्या

असम की राजधानी गुवाहाटी में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। पूरे शहर में पानी भर जाने के कारण सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है, जिसमें हजारों गाड़ियां और लोग घंटों से फंसे हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक साथ जारी कई वीडियो में देखा जा सकता है कि बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते शहर के ज्यादातर इलाके जलमग्न हो गए। मुख्य सड़कों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। सड़कों पर जलभराव के कारण कई गाड़ियां और बाइक पानी में बंद हो गईं, जिससे गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। ऑफिस से घर लौट रहे लोग और स्कूली बच्चे घंटों तक जाम में फंसे रहने को मजबूर हैं। बता दें कि शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे जीएस रोड, जू रोड, गणेशगुड़ी में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

नहीं बनी बात, प्रधान के इस्तीफे पर अटकी गाड़ी

- कॉकरोच पार्टी अड़ी, बोली-इस्तीफे पर समझौता नहीं

सरकार ने मांगा समय, केस वापसी पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इसमें सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और सीजेपी की तरफ से सौरभ दास, आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा, हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सरकार ने मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने पर सहमति जताई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया, 'दो घंटे की बातचीत में सीजेपी ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं। हमनें ने इस पर विचार करने के लिए कल तक का समय मांगा है।' कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधियों से करीब 2 घंटे तक चली बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'संगठन ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 27वें दिन खत्म

नड्डा ने जूस पिलाया, वांगचुक बोले-तीन मांगों पर लिखित आश्वासन मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के खिलाफ 27 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में कहा कि पिछले दो दिन से सरकार के साथ उनकी लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया। वांगचुक ने कहा, सरकार छात्रों पर केस दर्ज नहीं करेगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने एजुकेशन सिस्टम को कर दिया ध्वस्त

- राहुल गांधी बोले-उनकी वजह से हजारों लोग सड़क पर
- कांग्रेस नेता ने कहा-वह क्रिमिनल शिक्षा मंत्री, इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग बाहर हैं। राहुल ने पैलेट गन से घायल छात्रों से मुलाकात की। वे एक घायल छात्र को साथ में लेकर मीडिया के सामने आए। उन्होंने छात्र के हाथ में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा- मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था। सरकार का कहना है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उसकी आंख को नुकसान पहुंचा है और उसकी देखने की क्षमता चली गई है।

बिहार के सरकारी स्कूलों में फिर से हाफ-डे शनिवार!

- *7 दिनों में होगा फैसला, सीएम सम्राट चौधरी ने दी जानकारी*

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद को बताया कि बिहार सरकार द्वारा एक सप्ताह के भीतर यह निर्णय लिए जाने की उम्मीद है कि क्या सरकारी स्कूलों को शनिवार को आधे दिन के कार्यक्रम में वापस लाया जाना चाहिए। यानी आधे दिन स्कूल और आधे दिन छुट्टी। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से शनिवार के पहले वाले समय को बहाल करने और स्कूल के समय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप करने का आग्रह किया। इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि शनिवार को आधे दिन की कक्षाएं फिर से शुरू करने के प्रस्ताव की जांच की जाएगी और जल्द निर्णय लिया जाएगा।

सम्राट चौधरी ने दिया सदस्यों को भरोसा

सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करेगी और अंतिम निर्णय लेने से पहले शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगेगी। शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले वर्तमान स्कूल कार्यक्रम, छात्रों की सुविधा और शनिवार की कक्षाओं के सीखने के परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा करेगा। बिहार के सरकारी स्कूलों में शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई बहाल करने के संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

विधान परिषद में उठा मुद्दा

एमएलसी नवल किशोर यादव, संजीव सिंह और जीवन कुमार ने सरकारी स्कूलों में शनिवार को पूरे दिन की कक्षाएं जारी रखने को लेकर शिक्षा विभाग से सवाल किया। विधायकों ने याद दिलाया कि पूर्व शिक्षा मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया था कि शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मौजूदा समय सारिणी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सोमवार से शुक्रवार तक लगभग पांच से साढ़े पांच घंटे की कक्षा शिक्षण अवधि निर्धारित की गई है।

- पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

10 साल जेल और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार पेपर लीक और नकल के खिलाफ मौजूदा कानूनों को और सख्त करने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के देर रात जारी वीडियो संदेश में और कार्रवाई का वादा करने के एक दिन बाद सरकार पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि पेपर लीक मामलों में 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि शुक्रवार दोपहर को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस मामले को लेकर मंजूरी दे दी गई है।

ज्योतिर्मठ भू–धंसाव को लेकर बड़ा फैसला, प्रभावित पुराने घरों का सर्वे शुरू

ज्योतिर्मठ, ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र में सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। 2023 में भू–धंसाव से प्रभावित पुश्तैनी, पौराणिक पत्थर और पठाल से बने घरों का सर्वे शुरू कर दिया गया है। सर्वे के आधार पर मुआवजा तय किया जाएगा और इसके बाद सभी प्रभावित घरों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। बता दें कि क्षेत्र के लोग वर्षों से यह मांग कर रहे थे कि पुश्तैनी घरों का भी भुगतान होना चाहिए। नगर क्षेत्र में पहले ही कंक्रीट के मकानों का मुआवजा दिया जा चुका है। अब पुराने पुश्तैनी घरों को भी मुआवजे के दायरे में लाया गया है। इसके अलावा राजीव आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए मकानों का मुआवजा भी दिया जाएगा। इसे लेकर वर्तमान में सर्वे का काम चल रहा है।

धार में चालीसपीर दरगाह पर नहीं पढ़ी जुमे की नमाज

मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास वाली जगह के लिए अड़ा

धार (एजेंसी)। धार में जुमे की नमाज को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है। गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली, लेकिन नमाज के वैकल्पिक स्थान को लेकर सहमति नहीं बन पाई।

इसके चलते शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस की ओर से मौके पर सभी इंतजाम किए गए थे। धार के सदर अब्दुल समद ने कहा- प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। चालीसपीर दरगाह के पास निर्धारित स्थान पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इसके बजाय जुमे की नमाज आसपास की मस्जिदों में अदा की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला के पास जगह देने के लिए कहा था- इससे पहले बीती 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित की थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया स्थान भोजशाला से करीब दो किलोमीटर दूर है और यह कोर्ट के आदेश की भावना के अनुरूप नहीं है। इस पर अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को भोजशाला परिसर के बाहर या उससे सटे क्षेत्र में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन का नया प्रस्ताव भी ठुकराया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने गुरुवार रात मुस्लिम समुदाय को चर्चा के लिए बुलाया और अन्य संभावित स्थानों का प्रस्ताव रखा।

इन प्रस्तावों को भी अस्वीकार कर दिया गया। मुस्लिम समाज का कहना है कि उन्हें उनके पारंपरिक स्थान पर ही नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में भी नमाज के लिए भोजशाला के नजदीक स्थान उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

वन्य जीव आधारित पर्यटन से बढ़ाई जाए स्थानीय लोगों की आर्थिकी : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को राज्य वन्यजीव बोर्ड और राज्य स्तरीय बाघ संचालन समिति की बैठक लेते हुए, प्रदेश में मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के साथ ही वन्य जीव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और स्थानीय लोगों की आजीविका के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए वन्य जीव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मानव वन्य जीव संघर्ष के दौरान दूसरे को बचाने के लिए साहसिक प्रदर्शन करने वाले आम लोगों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाए। सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन में

वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं में साहसिक प्रदर्शन करने वाले आम लोगों को किया जाएगा राज्य स्तर पर पुरस्कृत

आयोजित उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 23वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, वन्यजीव गलियारों के संरक्षण तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए सभी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए भी आधुनिक तकनीक के साथ जनसहभागिता को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्य जीवों के हमले में मृत एवं घायल व्यक्ति और उसके परिवार को मानकों के अनुसार तय समय पर मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत परियोजनाओं में वन्यजीव संरक्षण संबंधी शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड जैव विविधता एवं वन्यजीव संपदा की दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य है। राज्य में बाघ संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की सहभागिता, आधुनिक तकनीक का उपयोग तथा वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन्यजीव संरक्षण और विकास कार्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। बैठक में वन मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक दीवान सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद गीताराम गौड़, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक हॉफ कपिल लाल, एडीजी ए.पी. अंशुमन, सचिव सी रविशंकर, प्रमुख वन संरक्षक श्रीमती नीना ग्रेवाल एवं वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हरिद्वार कुंभ के दौरान तैनात रहेगी क्यूआरटी टीम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में वन्यजीव कॉरिडोरों का संरक्षण, कैमरा ट्रैप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी तथा वैज्ञानिक प्रबंधन को और मजबूत किया जाए। उन्होंने वन्यजीवों के प्राकृतिक जल स्त्रोतों एवं चारागाहों के विकास, वनाग्नि प्रबंधन तथा संवेदनशील क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली को विस्तार देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कुंभ के दौरान मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए क्यूआरटी टीम की तैनाती की जाए।

पुलों के निर्माण में अनावश्यक विलंब न करें

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन मोटर पुलों का कार्य तय समय पर पूरा करें। पुल निर्माण में अनावश्यक विलंब न किया जाए। डीएम ने शुक्रवार को जिला कार्यालय सभागार में पीएमजीएसवाई के तहत जिले में निर्माणाधीन पुलों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि जिले में निर्माणाधीन 56 में से 45 पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और 39 पर एप्रोच रोड भी बन गई है। छह पुलों पर एप्रोच रोड का काम चल रहा है।

11 पुलों पर निर्माण कार्य चल रहा है। डीएम ने पीएमजीएसवाई और पुलों की निर्माणदायी संस्था ब्रिज एंड रूफ कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र सभी पुलों का कार्य पूर्ण किया जाए। पुलों के साथ एप्रोच रोड का निर्माण भी प्राथमिकता के साथ समय पर पूरा करें।

एक नजर

मोबाइल नेटवर्क की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला दूरसंचार समिति की बैठक ली। डीएम ने दूरसंचार कंपनियों को जिले में मोबाइल नेटवर्क की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने मोबाइल नेटवर्क विस्तार, फॉर जी सेचुरेशन और भारत नेट परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्माणाधीन और प्रस्तावित टावरों का निर्माण जल्द पूरा किया जाए ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में कवरेज, इंटरनेट स्पीड और कॉल गुणवत्ता बेहतर हो सके। उन्होंने विशेष रूप से लोंग सेगड़ी, कुनीगाड़, ईराणी और बिरही जैसे गांवों की शिकायतों को गंभीरता से निस्तारित करने और नए टावरों के लिए सर्वे कर सूची बनाने को कहा। इसके साथ ही भारत नेट परियोजना के तहत स्कूलों, आंगनबाड़ी, पीएचसी, सीएचसी व पंचायत भवनों में हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिए सूची आईटीडीए को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम विवेक प्रकाश, सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जयवीर नेगी, अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार सहित दूरसंचार कंपनियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क पहुंची, मगर पुल के बिना बलाण गांव की राह अधूरी

देवाल। बलाण गांव के लिए पीएमजीएसवाई की ओर से पांच साल पहले 11 किमी सड़क बनाई गई। मगर घटगदेरे में मोटर पुल न बनने से ग्रामीणों को आज भी पौन किमी पैदल चलना पड़ रहा है। वर्ष 2022 में ही 24 मीटर स्पॉन के इस मोटर पुल के टेंडर हो चुके थे और ढाई करोड़ रुपये की धनराशि भी स्वीकृत है लेकिन सड़क न होने के कारण कार्यदायी संस्था ह्यब्रिज एंड रूफह्ल चार साल से इसका निर्माण शुरू नहीं कर सकी। हाल ही में विभाग की ओर से गांव तक 2.2 किमी लिंक रोड की कटिंग किए जाने के बाद अब गदेरे का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। गांव के पूर्व उप प्रधान वीरेंद्र कुमार और बीडीसी मेंबर प्रदीप दानू ने जिलाधिकारी से शीघ्र पुल निर्माण की मांग की। उधर ब्रिज एंड रूफ के एई आसिद दास का कहना है कि सड़क न होने से काम रुका था। अब पुल की तैयारी हो चुकी है। जल्द मोटर पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

अल्मोड़ा सरकारी स्कूल टीचर ने चाकू से काटे 5 छात्रों के बाल ब्लेड से फाड़ी ड्रेस

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सल्ट क्षेत्र स्थित राजकीय इंटर कॉलेज बांगीधार से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 12वीं कक्षा के पांच छात्रों ने आरोप लगाया है कि भूगोल की महिला प्रवक्ता ने अनुशासन के नाम पर उनके बाल चाकू से काट दिए और ब्लेड से उनकी स्कूल यूनिफॉर्म फाड़ दी। इतना ही नहीं, छात्रों की कॉपियां और दो छात्राओं की नोटबुक के पन्ने फाड़ने तथा पूरी कक्षा के सामने उन्हें अपमानित करने का भी आरोप लगाया गया है।

घटना के सामने आने के बाद छात्रों के परिजनों, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया है।

क्या है पूरा मामला ?

जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार को जीआईसी बांगीधार में 12वीं कक्षा के दौरान हुई। छात्रों का आरोप है कि भूगोल की प्रवक्ता आरजू अफरोज अंसारी पहले भी कई बार उन्हें समय पर बाल कटवाने की चेतावनी दे चुकी थीं।

छात्रों के मुताबिक, होमवर्क पूरा न होने पर उन्हें कक्षा से बाहर बुलाया गया। इसके बाद शिक्षिका ने कथित तौर पर बैग से ब्लेड निकाला और दुकान से चाकू मंगवाकर पांच छात्रों के बाल काट दिए। आरोप है कि उनकी स्कूल ड्रेस भी ब्लेड से फाड़ दी गई। इसके अलावा छात्रों की कॉपियां और दो छात्राओं की नोटबुक के पन्ने भी फाड़ दिए गए।

बिल्डर शाश्वत गर्ग के घर कुर्की

राजपुर, राजपुर थाना पुलिस ने नौ माह से फरार चल रहे बिल्डर शाश्वत गर्ग के घर आज कुर्की कर दी है। मसूरी रोड स्थित आर्केडिया हिल्लॉक्स सोसायटी में फ्लैट आवंटन के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए शाश्वत गर्ग परिवार सहित फरार चल रहा है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी शाश्वत गर्ग के सहस्त्रधारा रोड स्थित घर की कुर्की की। पुलिस के अनुसार 21 नवंबर 2025 को आर्केडिया हिल्लॉक्स सोसायटी के अध्यक्ष विवेक कुमार ने राजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि शाश्वत गर्ग और उसके साथियों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सोसायटी में फ्लैट आवंटित करने के नाम पर कई लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। शिकायत के आधार पर राजपुर थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि पुलिस को मामले की जांच तेज करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। पुलिस टीम ने कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन मुख्य आरोपी शाश्वत गर्ग घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा है।

आवारा पशु खेती के दुश्मन बने, ग्रामीणों ने दूरस्थ खेतों में फसल बोनी छोड़ी

नौगांव (उत्तरकाशी)।क्षेत्र में बढ़ती आवारा पशुओं की संख्या किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। खेतों में खड़ी फसल और घास को नुकसान पहुंचने के कारण कई ग्रामीणों ने गांव से दूर स्थित तोकों में खेती करना बंद कर दिया है। सड़कों पर घूम रहे पशु खेतों में घुसकर किसानों की मेहनत बर्बाद कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार जुलाई–अगस्त में घास और फसलों की सुरक्षा के लिए रकीत बंधान कर चौकीदारी की जाती है, लेकिन खुले छोड़े गए पशु इस व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ पशुपालक कमजोर, चोटिल या बांझ पशुओं के कानों से सरकारी टैग हटाकर उन्हें छोड़ देते हैं। पशुपालन विभाग पर भी टैग लगे पशुओं की पहचान और जिम्मेदार पशुपालकों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप हैं। कई गांवों में महिला मंगल दल फसल बचाने के लिए पशुओं को खदेड़ रहे हैं, लेकिन वे दूसरे गांवों में नुकसान पहुंचा रहे हैं। बजलाड़ी गांव के सामाजिक कार्यकर्ता जयेंद्र सिंह राणा ने सरकार से पशुपालन विभाग की जवाबदेही तय करने, पशुपालकों की पहचान के लिए अभियान चलाने और पशु छोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो खेती करना और मुश्किल हो जाएगा।

पास छात्र को ऑनलाइन रिजल्ट में दिखा दिया फेल

कर्णप्रयाग। बीएससी पंचम सेमेस्टर के रिजल्ट में विश्वविद्यालय ने एक छात्र को अनुत्तीर्ण दिखाया। छात्र ने जब आरटीआई लगाई तो कॉपी में 49 नंबर आए थे। अब छात्र ने श्री देव सुमन विवि प्रशासन से त्रुटि ठीक करने की मांग की। कर्णप्रयाग महाविद्यालय के बीएससी पंचम सेमेस्टर के छात्र महावीर सिंह ने बताया कि तो ऑनलाइन रिजल्ट देखने पर विश्वविद्यालय ने अंकतालिका में उन्हें अनुत्तीर्ण दिखाया था। उन्होंने आरटीआई लगाकर कॉपी देखने की मांग की। जब विश्वविद्यालय की ओर से उनके ईमेल पर कॉपी भेजी गई तो उसमें 49 दर्ज थे। अब छात्र ने विश्वविद्यालय प्रशासन से त्रुटि सुधारने के लिए पत्र लिखा। छात्र संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने बताया कि श्री देव विश्वविद्यालय की लापरवाही से छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम अवतार सिंह ने कहा कि छात्र–छात्राओं की समस्याओं को महाविद्यालय के माध्यम से विश्वविद्यालय को अवगत कराया जाता है।

बाइक व मोबाइल चोरी में एक गिरफ्तार

ज्योतिर्मठ। गोविंदघाट थाना पुलिस ने बाइक और मोबाइल चोरी की दो अलग–अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया साथ ही पांच नाबालिगों को संरक्षण में लिया। आरोपियों के पास से चोरी की गई दो बाइक, पांच मोबाइल व दो पावर बैंक बरामद हुए हैं। आरोपियों के पास से मलेथा से चोरी की गई बाइक भी बरामद हुई।

शुक्रवार को अंकित मलिक निवासी शामली उत्तर प्रदेश ने पांडुकेश्वर चौकी में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि एक होटल के सामने खड़ी उसकी बाइक चोरी हो गई है। इसी दौरान श्रीनाथ केआर निवासी कर्नाटक ने गोविंदघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई की गुरुद्वारे में विश्राम के दौरान उसका मोबाइल चोरी हो गया। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी सुरजीत पंवार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट के पर्यवेक्षण में टीम गठित की गई। पुलिस को हनुमान चट्टी क्षेत्र में दो बाइकों पर छह युवक आते दिखे। पुलिस की ओर से रोकने पर वे बाइक छोड़कर भागने लगे लेकिन पुलिस ने सभी युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किए। एक बाइक पांडुकेश्वर से चोरी की गई थी जबकि दूसरी मलेथा क्षेत्र से चोरी की गई थी। बाइक टिहरी निवासी विकास उनियाल की है जिसकी रिपोर्ट कीर्तिनगर थाने में दर्ज है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 22 जुलाई की रात को गोविंदघाट गुरुद्वारे से पांच मोबाइल व दो पावर बैंक चोरी किए थे। एक आरोपी आसू (20) निवासी नागोई दिल्ली (हाल निवासी गोल्डन टैंपल अमृतसर) को गिरफ्तार कर लिया और पांच नाबालिगों को संरक्षण में ले लिया।

बदहाल हालत पर भड़के जिला पंचायत सदस्य

देहरादून। जौनसार–बावर क्षेत्र, तहसील चकराता के बायलाझपिंगवा मोटर मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर जिला पंचायत सदस्य प्रवीन रावत ह्लपिंसह्ल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (ढटॅर) के अधिशासी अभियंता, कालसी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सड़क की खराब गुणवत्ता, विभागीय लापरवाही और निर्माण कार्य में संभावित अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए 15 दिनों के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञापन में कहा गया है कि ढटॅर द्वारा निर्मित पिंगवाझबायला मोटर मार्ग आज क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी का कारण बन चुका है। सड़क पर जगह–जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई डामर की परत और जलभराव के कारण रोजाना दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। इस मार्ग से स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, किसान, गर्भवती महिलाएं और अन्य ग्रामीण प्रतिदिन आवाजाही करते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण उन्हें जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है।

प्रवीन रावत ने कहा कि यदि सड़क का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया था, तो इतनी कम अवधि में इसकी ऐसी स्थिति कैसे हो गई? उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कहीं भी अनियमितता हुई है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

चट्टान टूटी, एक कार मलबे में दबी

पोखरी। पोखरी के पास सड़क पर चट्टान टूटने से दो कार क्षतिग्रस्त हो गई। एक कार को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही बारिश से पोखरी क्षेत्र में सड़कों की स्थिति बदहाल बनी है। सड़कों पर वाहनों का संचालन जोखिम भरा बन गया है। बृहस्पतिवार रात हुई तेज बारिश से पोखरी–मोनखाल मार्ग पर पोखरी थाना क्षेत्र के पास पहाड़ी से चट्टान टूट गई। नीचे सड़क पर खड़ीं दो कारें इसकी चपेट में आ गईं। एक कार मलबे में दब गई जबकि दूसरी कार को भी नुकसान हुआ है। इसके अलावा पोखरी–हापला–देवखाल सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। कई जगह पर कीचड़ जमा हो गई है। चांदनीखाल–रडुवा–कांडई चंद्रशिला सड़क जगह–जगह मलबा आ रखा है और कई जगह पुश्ते टूटे हुए हैं। हापला–गुणम–नैल सड़क पर भी कई जगह पर मलबा और पत्थर आने से सड़क की स्थिति खराब हो रखी है। इसके अलावा कई अन्य सड़कों पर भी इसी तरह की स्थिति बनी हुई है।

कर्मचारी के ऊपर गिरा बोल्डर, पैर पर आई चोट

गोपेश्वर। शनिवार सुबह नंदप्रयाग में बड़ा हादसा होते–होते बच गया। वर्कशॉप में काम करने वाले एक कर्मचारी पर बोल्डर आ गिरा। गनीमत रही बोल्डर उसके पैरों पर गिरा। वर्कशॉप कर्मियों ने तुरंत जैक लगाकर बोल्डर उठाया और उसे बाहर निकाला। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। नंदप्रयाग में इंटर कॉलेज गेट के पास बदरीनाथ हाईवे किनारे एक वर्कशॉप है। इसमें काम करने वाले पप्पू अब्बास (47) पुत्र लियाकत अब्बास किसी काम से हाईवे के ऊपर की तरफ गया। इसी दौरान चट्टान से बोल्डर उसके ऊपर गिर गया। गनीमत रही कि बोल्टर उसके पैरों पर गिरा और हाईवे पर नाली होने के कारण बोल्डर के नीचे दबने से बच गया।

भारत–तिब्बत व्यापार की गवाह किलोंग मंडी अब पर्यटकों से गुलजार

ज्योतिर्मठ। भारत–तिब्बत व्यापार के दौरान सीमा पर स्थित किलोंग मंडी दोनों देशों के व्यापारियों के व्यापार की प्रमुख केंद्र थी। दशकों से वीरान पड़ी यह मंडी अब धीरे–धीरे पर्यटकों की नजर में आ रही है, पर्यटक सीमा दर्शन योजना के तहत यहां पहुंचने लगे हैं। स्थानीय लोग भी यहां पहुंचकर पूर्वजों की यादों को ताजा कर रहे हैं।

भारत–चीन सीमा पर एक ऐसा स्थान है जहां कभी भारत व तिब्बत के व्यापारी आते थे। यह स्थान व्यापार का प्रमुख केंद्र हुआ करता था लेकिन 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार बंद हो गया और यह स्थान इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह गया। नीती गांव से करीब 35 किमी आगे मखमली बुग्यालों के बीच इस स्थान पर जाने के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ती है। अब पर्यटक इस खूबसूरत क्षेत्र में पहुंच लगे हैं।

स्थानीय लोग पहुंच रहे किलोंग मंडी

सीमांत क्षेत्र के लोगों का दल भी इस स्थान पर पहुंचकर पुरानी यादों को ताजा कर रहा है। हाल ही में किलोंग मंडी गए स्थानीय लोगों के दल में शामिल लक्ष्मण फरकिया ने बताया कि इस क्षेत्र में जाने के लिए नीती गांव से होकर गुजरना पड़ता है। यह क्षेत्र भारत–तिब्बत व्यापार का प्रमुख केंद्र था लेकिन युद्ध के बाद यह वीरान हो गया। अब सरकार की सीमा दर्शन योजना के तहत पूर्वजों की इस विरासत को देखने और उस समय की परिस्थितियों को समझने का मौका मिला है। यह स्थान बहुत ही खूबसूरज है।

छह से अधिक दुकानों में दौड़ा करंट

कर्णप्रयाग। बृहस्पतिवार रात्रि को नगर के सिमली रोड की छह से अधिक दुकानों में करंट दौड़ गया। कई दुकानदारों को करंट लगा। दुकानदारों की सूचना पर बिजली की लाइन काट दी गई। इस कारण बाजार की बिजली 14 घंटे तक ठप रही।

दोपहर को फॉल्ट ठीक करने के बाद बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। बीते मंगलवार को मुख्य बाजार के सिमली सड़क पर बारिश के कारण एक जर्जर बिजली का खंभा गिर गया था। निगम कर्मियों ने यहां नया खंभा लगाया। बृहस्पतिवार को एक अन्य खंबे को भी बदला गया। मगर बृहस्पतिवार रात को आठ बजे से तेज बारिश शुरू हुई। दुकानदार नवीन डिमरी और उनके कर्मियों ने बताया कि करीब नौ बजे उन्हें दुकान के शटर और नल पर करंट का झटका लगा। अगल बगल के दुकानदारों ने भी इसकी शिकायत की। ऊर्जा निगम कंट्रोल रूम को फोन किया गया। सूचना पर निगम ने बाजार की बिजली काट दी। शुक्रवार सुबह से निगम कर्मी फॉल्ट खोजने में लगे रहे। बताया जा रहा है कि बदले गए दो खंबों को छोड़कर तीसरे खंबे में फॉल्ट निकला जिसे ठीक कर करीब 11 बजे बिजली आपूर्ति सुचारू की जा सकी।

जनसुनवाई में नागरिकों ने दिए विकास के अहम सुझाव

देहरादून। देहरादून के सुनियोजित, सुरक्षित और सतत विकास की दिशा में मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा तैयार की जा रही देहरादून महायोजना–2041 के तहत जनसुनवाई अभियान लगातार जारी है। अभियान के 11वें दिन राजकीय बालिका पॉलिटेक्निक कॉलेज, सुद्धोवाला में आयोजित जनसुनवाई में सेक्टर–11 के नागरिकों, भू–स्वामियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं तथा विभिन्न हितधारकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज कराईं। जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ऐसी महायोजना तैयार करना है, जो आने वाले वर्षों में देहरादून के संतुलित, व्यवस्थित और टिकाऊविकास की आधारशिला बन सके। बैठक में लोगों ने शहर की वर्तमान समस्याओं के साथ–साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सड़क और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर उठे अहम मुद्दे

जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और लगातार फैलते शहरी क्षेत्र को देखते हुए सड़क नेटवर्क के विस्तार की मांग की। प्रतिभागियों ने कहा कि नई कॉलोनियों और विकसित हो रहे क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इसके अलावा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने, प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक प्रबंधन को आधुनिक बनाने, पर्याप्त पार्किंग स्थलों का निर्माण करने तथा आंतरिक संपर्क मार्गों को चौड़ा एवं बेहतर बनाने जैसे सुझाव भी प्रमुखता से सामने आए।

मूलभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने की मांग

बैठक में नागरिकों ने आवासीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, ड्रेनेज व्यवस्था, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज, बिजली, सड़क और अन्य शहरी आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। लोगों का कहना था कि तेजी से बढ़ती आबादी के अनुरूप बुनियादी ढांचे का विस्तार भी समान गति से होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास पर विशेष जोर

जनसुनवाई के दौरान पर्यावरण संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण विषयों में शामिल रहा। नागरिकों ने शहर के हरित क्षेत्रों को सुरक्षित रखने, प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने, भूजल स्तर को बनाए रखने और संतुलित भूमि उपयोग सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिभागियों का कहना था कि यदि विकास योजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में देहरादून को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

बारिश होते ही आमसौड़ के ग्रामीणों की आंखों से उड़ रही नींद

गत वर्षाकाल में पहाड़ी से आए मलबे ने आमसौड़ में मचाई थी तबाही, लगातार हो रही वर्षा ने एक बार फिर बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता

दुगड्डा ब्लाक का आमसौड़ गांव जो वर्षाकाल के दौरान खतरे की जद में है

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानसून की दस्तक के साथ दुगड्डा ब्लाक के आमसौड़ गांव के ग्रामीणों की चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। वर्षा होते ही ग्रामीणों की आंखों के सामने गत वर्ष हुई तबाही के भयावह दृश्य ताजा हो उठे हैं। दिनभर ग्रामीणों की निगाहें गांव के ऊपर स्थित केलापानी की खतरनाक पहाड़ी पर टिकी रहती हैं, जबकि रातें डर और आशंका के बीच जागकर कट रही हैं। ग्रामीणों को हर पल इस बात का भय सता रहा है कि कहीं फिर से भूस्खलन या मलबा गांव पर कहर न बरपा दें। लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम ने ग्रामीणों के विस्थापन की सुध नहीं ली।

गत वर्ष वर्षाकाल आमसौड़ गांव के ऊपर स्थित केलापानी की पहाड़ी से भारी मलबा आ गया था। मलबा कई घरों के अंदर घुस गया था। जबकि, हाईवे के किनारे स्थित एक भवन का हिस्सा मलबे की जद में आकर ध्वस्त हो गया था। इस मलबे व बोल्डर के कारण गांव का दशकों पुराना प्राकृतिक स्रोत भी ध्वस्त हो गया था। कई दिनों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने घरों से मलबा तो साफ कर दिया था। लेकिन, पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ था। ऐसे में सरकारी सिस्टम ने खतरे की जद में आने वाले 15 परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया था।

पूरे वर्षाकाल के दौरान ग्रामीण अपने घरों से दूर अन्यत्र शरण लेकर रहे। इसके बाद ग्रामीण लगातार उनके विस्थापन की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि पहाड़ी से आ रहे बोल्डर व मलबे के कारण उन्हें हर वर्षाकाल जान-माल का खतरा बना रहेगा। लेकिन, सरकारी सिस्टम ने उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, आज भी ग्रामीण वर्षाकाल के दौरान खतरे की जद में आए अपने भवनों में रह रहे हैं। खतरे के कारण गांव से लगातार पलायन का दौर भी जारी है। गांव के ऊपर स्थित पहाड़ी कब तबाही मचा दें कुछ कहा नहीं जा सकता।

एनएच पर भी मंडरा रहा खतरा

आमसौड़ के ऊपर झवाणा की पहाड़ी से लगातार हो रहे भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ी से आ रहे मलबे व बोल्डर के कारण हाईवे पर भी यातायता प्रभावित हो रहा है। वहीं, आमसौड़ से जमरगड्डी-धरियालसार के लिए जाने वाले पीएमजीएसवाई के मार्ग को भी पहाड़ी से खतरा बना हुआ है। ऐसे में कई ग्रामीण उक्त मार्ग पर आवाजाही करने से भी घबरा रहे हैं।

लगातार उठा रहे विस्थापन की मांग

वर्षाकाल में भूस्खलन की मार झेल रहे आमसौड़ के ग्रामीण पिछले लंबे समय से विस्थापन की मांग उठा रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बैठकर धरना भी दिया था। लेकिन, अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं। हालांकि, सरकारी सिस्टम ने ग्रामीणों को गांव के ऊपर बोल्डर व मलबे को रोकने के लिए योजना तैयार करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह आश्वासन भी धरातल पर नजर नहीं आ रहा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : एसएसपी

कांवड़ मेले के दौरान नीलकंठ क्षेत्र में तैनात रहेगा भारी संख्या में पुलिस बल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पुलिस प्रशासन ने नीलकंठ कांवड़ मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। कांवड़ मेले के दौरान नीलकंठ क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

कांवड़ मेले में प्राचीन सिद्धपीठ नीलकंठ महादेव मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन के लिए इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी), छः क्षेत्राधिकारी (सीओ), 27 निरीक्षक व थानाध्यक्ष, 65 उपनिरीक्षक, 40 अपर उपनिरीक्षक, 15 महिला उपनिरीक्षक, 450 हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबल, 80 महिला कांस्टेबल, 145 होमगार्ड व 150 पीआरडी जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दो यातायात निरीक्षक, चार उपनिरीक्षक और 30 कांस्टेबल तैनात रहेंगे। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ व एटीएस की टीमें और पीएसी की दो कंपनियां भी मेले में तैनात रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को हस्तलेख के सिखाए गुर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जशोधरपुर स्थित शिशु विद्या मंदिर हाईस्कूल में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को हिंदी व संस्कृत विषयों में सुंदर हस्तलेख, अक्षरों को शुद्ध लिखने के बारे में विस्तार से समझाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य निर्मल कुमार केमनी ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सरस्वती शिशु मंदिर पौखाल के प्रधानाचार्य शिव प्रसाद उनियाल ने कहा कि हमें अपना हस्तलेख सुंदर करना होगा। साथ ही शब्दों को शुद्ध लिखना होगा। जसपाल सिंह ने पाठ योजना के माध्यम से हिंदी विषय पढ़ाने की विधि समझाई। प्रधानाचार्य शिव प्रसाद पुरोहित ने संस्कृत विषय का प्रशिक्षण दिया। कहा कि प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने संस्कृत को सरल विधि के माध्यम से पढ़ाने के गुर भी सिखाए।

सिलेत लियाखाल में हैंडपंप खराब, लोग और छात्र परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पोखड़ा ब्लॉक के ग्राम सिलेत लियाखाल में तीन वर्षों से हैंडपंप खराब पड़ा हुआ है। जिस कारण क्षेत्र में पेयजल संकट बना हुआ है। खराब पड़े हैंडपंप के कारण ग्रामीणों, जनता इंटर कॉलेज और प्राथमिक विद्यालय लियाखाल के छात्र-छात्राओं को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता सुमन ढौंडियाल ने जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया से मुलाकात कर हैंडपंप की तत्काल मरम्मत और स्थायी समाधान के लिए सोलर पंप लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही उन्होंने चौबट्टाखाल पेयजल पंपिंग योजना के वालमैन/ऑपरेटर मनोहर प्रसाद को पिछले 19 महीनों से मानदेय नहीं मिलने का मामला भी उठाते हुए लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की।

स्वास्थ्य शिविर में 556 मरीजों ने कराई जांच

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य सेवा सप्ताह के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से 22 से 24 जुलाई तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोट में तीन दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 556 मरीजों ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया। शिविर के दौरान जनरल फिजिशियन ने 193, हड्डी रोग ने 56, स्त्री रोग ने 27, नेत्र रोग ने 34 और दंत रोग विशेषज्ञ ने 48 मरीजों का परीक्षण किया। इसके अलावा 85 लोगों की रक्त जांच, 132 लोगों के टीबी एक्स-रे किए गए। तीन दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किए गए। शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. उपेंद्र पंवार, जिला अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निहारिका बिष्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अगमकांत, डॉ. सोनाली जोशी, एलटी राजदीप, मनीषा रावत आदि मौजूद रहे।

मौसम बदलते ही उपजिला चिकित्सालय में बढ़े मरीज

श्रीनगर गढ़वाल : मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर भी पड़ने लगा है। उपजिला चिकित्सालय में इन दिनों उल्टी-दस्त और वायरल बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 8 से 10 मरीज इन शिकायतों के साथ पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चों और किशोरों की संख्या अधिक है।

उपजिला चिकित्सालय के फिजिशियन डॉ. सौरभ समदर ने बताया कि मौसम में बदलाव और संक्रमण के कारण उल्टी-दस्त व बुखार के मरीज बढ़े हैं। वर्तमान में प्रतिदिन 8 से 10 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें 15 से 20 वर्ष तक के बच्चों और किशोरों की संख्या अधिक है। उन्होंने लोगों से स्वच्छ पानी पीने, ताजा भोजन करने और लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने की अपील की। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रचित गर्ग ने बताया कि मौसम जनित बीमारियों को देखते हुए अस्पताल में सभी आवश्यक दवाएं और उपचार की व्यवस्था उपलब्ध है। चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी मरीज को इलाज में परेशानी न हो। श्रीनगर उपजिला चिकित्सालय में पौड़ी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और चमोली जनपदों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं, इसलिए सभी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। (एजेंसी)

ढाबे में लगी आग, ढाबा जलकर हुआ राख

देवप्रयाग : ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर तोताघाटी के समीप शुक्रवार को गैस सिलिंडर में रिसाव के कारण एक ढाबे में भीषण आग लग गई। आग बुझाने का कोई साधन और आसपास पानी उपलब्ध न होने से ढाबा पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना में ढाबे में रखा सारा सामान और नगदी भी नष्ट हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी देवप्रयाग प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि चिलपड़ गांव निवासी जसवीर सिंह पुत्र बैनर सिंह ढाबा बंद कर सौड़पानी में नहाने गया था। इसी दौरान उसके भाई हरि सिंह ने ढाबे से आग की लपटें उठती देख उसे सूचना दी। जसवीर मौके पर पहुंचा, तब तक ढाबे में रखा पूरा सामान और नगदी जल चुके थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आसपास पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण ढाबे को बचाया नहीं जा सका। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण गैस सिलिंडर में रिसाव माना जा रहा है।

गुलदार की खाल के साथ वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

सतपुली में गुलदार की खाल के साथ गिरफ्तार आरापी

दो साल पहले फंदा लगाकर किया था शिकार

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : सतपुली थाना पुलिस ने गुलदार की खाल बेचने की तैयारी कर रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गुलदार की खाल बरामद की है। पूछताछ में आरोपित ने करीब दो वर्ष पहले फंदा लगाकर गुलदार का शिकार करने की बात स्वीकार की है।

थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जयहरीखाल विकासखंड के ग्राम पोखरी (दुधारखाल) निवासी एक व्यक्ति के पास गुलदार की खाल है, जिसे वह हरियाणा ले जाकर बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम पोखरी निवासी संदीप कुमार धस्माना के घर में छापा मारा। तलाशी के दौरान घर में रखे टिन के एक बक्से से गुलदार की खाल बरामद हुई। थाना प्रभारी अनिल चौहान ने बताया कि पूछताछ में संदीप ने स्वीकार किया कि उसने करीब दो वर्ष पूर्व जंगल में फंदा लगाकर गुलदार का शिकार किया था। शिकार के बाद उसने खाल निकालकर उसे सुखाया और बाद में अपने घर में छिपाकर रख दिया। अब वह खाल को बेचने की तैयारी कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच की जा रही है।

अदालत ने मारपीट के दोषी को सुनाई एक साल की सजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मारपीट के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट व सिविल जज (जू.डि) लैंसडौन प्रिया साह की अदालत ने आरोपी देवेंद्र सिंह को दोषी करार देते हुए एक वर्ष का साधारण कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसी के साथ ही जुर्माना अदा नहीं करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा। अभियोजन के अनुसार गुमखाल के सोलिया गांव निवासी भारत सिंह ने 31 अक्तूबर 2025 को पुलिस को तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि 30 अक्तूबर 2025 को गुमखाल स्थित एक ढाबे में गांव के ही देवेंद्र सिंह ने विवाद के दौरान गाली-गालौज कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही धक्का देकर गिराया और पत्थर से हमला कर घायल किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अदालत में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने वादी, चिकित्सक, विवेचक समेत कई गवाहों के बयान और चिकित्सीय साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि मारपीट का आरोप सिद्ध होता है, जबकि गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के आरोप सिद्ध नहीं हो सके। इसी आधार पर अदालत ने दोषी को धारा 115(2) में दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई,जबकि गाली-गलौज और धमकी देने के आरोपों से बरी कर दिया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	140-DRM-MB-26-27 Date - 23.07.2026	141-DRM-MB-26-27 Date - 23.07.2026
कार्य का नाम	Interlocking of L.C. gates TVU > 20000 in the left over sections over Moradabad Division under the jurisdiction of Sr. DEN/II, Sr.DEN/III, Sr.DEN/IV and Sr.DEN/HQ/MB.	Construction of precast S&T building in connection with interlocking of L.C. gates TVU> 20000 in the leftover sections under Sr.DEN-I/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	18.08.2026	18.08.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 Hrs.	16:00 Hrs.
अनुमानित लागत	99,33,117.26	74,42,533.35
धरोहर राशि	1,98,700.00	1,48,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 Months	6 Months
बिडिंग आरंभ तिथि	04.08.2026	04.08.2026

टेन्डर नं.: Sr. DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक: 23.07.2026 2557/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा हेतु 31 जुलाई तक करें आवेदन

28 नवंबर 2026 को होगी प्रवेश परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण, पौड़ी गढ़वाल में सत्र 2026-27 कक्षा-6 में प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन आंमत्रित किये गये है। इच्छुक छात्र-छात्राएं 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर 2026 को होगी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय में सत्र 2026-27 में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी कक्षा 6 में प्रवेश परीक्षा हेतु 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों के माता-पिता जनपद पौड़ी गढ़वाल के बोनाफाइड निवासी हो तथा जिनकी जन्मतथि 01/05/2015 से 31/07/2017 के बीच हो एवं जिन्होंने कक्षा 3 सत्र 2024-25 एवं कक्षा 4 सत्र 2025-26 में नियमित अध्ययन के साथ उत्तीर्ण की हो वे पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खैरासैंण, पौड़ी गढ़वाल में सत्र 2027-28 की कक्षा 6 हेतु 28 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। यह आवेदन नवोदय विद्यालय की वेबसाइट के प्रवेश पोर्टल पर निःशुल्क कर सकते है।

बीजेपी ने मनोनीत किए सभासद

देवप्रयाग : उत्तराखंड शहरी विकास विभाग ने नगर पालिका परिषद, देवप्रयाग में तीन सभासदों को मनोनीत किया है। यह सभी देवप्रयाग भाजपा नगर मंडल के कार्यकर्ता है। शहरी विकास विभाग उप सचिव प्रदीप कुमार शुक्ल की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार नगर पालिका, देवप्रयाग में शालिनी अग्रवाल पत्नी अजय अग्रवाल, प्रीति देवी पत्नी अमित कुमार व दीवान सिंह कैन्तुरा पुत्र गोविंद सिंह कैतुरा को मनोनीत किया गया है। मनोनीत आरक्षित सभासद के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ममता देवी व मनोनीत सामान्य सभासदो के लिए नगर भाजपा मंडल की ओर से उक्त नाम प्रस्तावित किए गये थे। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No./Date	70-DRM-MB-26-27 Date: 24.07.2026
Name of work	Provision of Divyangjan facilities at Moradabad, Dalpatpur, Harthala, Katghar
Tender Closing Date	18.08.2026
Advertised Value(₹)	₹1,65,42,020.84
Earnest Money(₹)	₹3,30,900/-
Tender Cost (₹)	₹0.00/-
Bidding Start Date	04.08.2026
Period of Completion	6 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 24.07.2026 2570/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 12.08.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 11.08.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
19/2026–27	रू0 100/–	वि0वि0 उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत ग्राम लोकमणिपुर में लाइन शिफ्टिंग का कार्य।	5000.00

पत्रांक : 2131/विविखको/टी–6 दिनांक : 24.07.2026 अधिशासी अभियन्ता

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें "राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तराखण्ड शासन

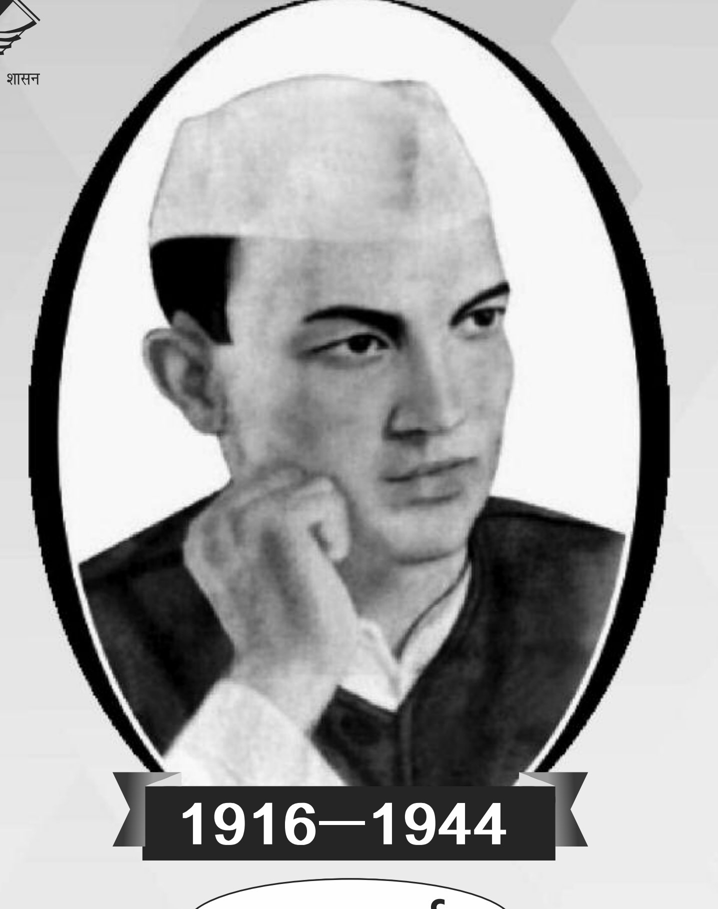

1916—1944

25 जुलाई

स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रदूत

अमर शहीद

श्रीदेव सुमन

को उनकी पुण्यतिथि पर उत्तराखण्डवासियों की ओर से शत्-शत् नमन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

खतरे में दिल

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दशार्या है कि शुरूआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरूआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दशार्ता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है।

न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।...

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया से ब्रेनवॉश और क्रिप्टो फंडिंग तक आतंक का नया जाल, लेकिन सतर्क सुरक्षा एजेंसियां हर साजिश को कर रही हैं नाकाम...

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित थ्री-एप मॉडल के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है।

तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन दूसरी ओर भारत की खुफिया और जांच एजेंसियां भी समान रूप से सजग हैं। वर्षों के अनुभव, आधुनिक तकनीक और मजबूत समन्वय के कारण वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हुई हैं। अनुभवी अधिकारी व्यवहार, डिजिटल गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों का विश्लेषण कर समय रहते खतरे का आकलन कर लेते हैं। यही सतर्कता अनेक संभावित घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक देती है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व नहीं है बल्कि समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। डिजिटल साक्षरता, तथ्य आधारित सोच और अफवाहों से बचने की आदत विकसित करना आज की आवश्यकता है। यदि समाज जागरूक रहेगा तो आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भ्रमित करना कठिन हो जाएगा। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह आतंकवाद के किसी भी रूप को स्वीकार नहीं करेगा। सीमा पर कठोर सुरक्षा व्यवस्था, देश के भीतर मजबूत जांच तंत्र, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जीरो टॉलरेंस की नीति ने आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को लगातार सीमित किया है। यदि कोई आतंकी नेटवर्क भूमिगत होकर छिपने का प्रयास भी करता है तो सुरक्षा एजेंसियां उसे खोज निकालने और कानून के दायरे में लाने के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। यही दृढ़ इच्छाशक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकवाद का स्वरूप चाहे कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसका उद्देश्य समाज में भय, अस्थिरता और विभाजन पैदा करना ही होता है। इसके मुकाबले के लिए केवल हथियार नहीं बल्कि तकनीकी दक्षता, मजबूत खुफिया तंत्र, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता होती है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आतंकवाद का नया डिजिटल मॉडल भी भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने लंबे समय तक सफल नहीं हो पाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति, सतर्क सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और जागरूक नागरिकों के सहयोग से आतंकवाद के हर नए रूप का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार हैं)

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

ललित गर्ग

> संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ एवं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना।

जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्चं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई मां ने एक साथ चार जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की 34 वर्षीय जेनिफर सौ नाअमोआना ने क्वींसलैंड के रॉयल ब्रिस्बेन एंड विमेंस हॉस्पिटल में एक साथ चार समान जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ प्राकृतिक गर्भावस्था थी, जिसमें एक ही निषेचित अंडाणु चार भागों में विभाजित हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति बनने की संभावना 1.5 करोड़ में से 1 होती है और ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहली बार हुआ है। महिला के पहले से चार बच्चे हैं। डॉक्टरों की देखरेख में 14 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी के जरिये बच्चियों का जन्म हुआ।

चीनी रक्षा अताशे ने 12 नागरिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना का जताया आभार

बीजिंग, एजेंसी। भारत में चीन के नए रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी सेना (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पिछले साल जून में केरल तट के पास विस्फोट के बाद मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य जुड़ाव, संचार और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। जियान ने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। दोनों देशों के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक बड़े हैं।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 4 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक खुफिया-आधारित अभियान के दौरान तहरीक-ए-तालिबान के चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार, इलाके में उग्रवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और इलाके में छिपे अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भारत से पहली सीधी मालगाड़ी पहुंची नेपाल, द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल व्यापार के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत कैनोला दानों से लदी मालगाड़ी पहली बार 20 जुलाई को कोलकाता पोर्ट से विराटनगर स्थित नेपाल कस्टम्स यार्ड पहुंची। 40 वैगन वाली यह मालगाड़ी जोगबनी स्थित भारतीय सीमा शुल्क यार्ड के रास्ते पहुंची। नवंबर 2025 में संशोधित भारत-नेपाल पारगमन संधि के बाद इस रेल गलियारे का यह पहला व्यावसायिक उपयोग है। ज्ञात हो कि जोगबनी-विराटनगर ब्रॉडगेज रेल लिंक का उद्घाटन 1 जून 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन नेपाली पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। भारत से सहायता प्राप्त इस परियोजना से रसद लागत घटेगी और कोलकाता व विशाखापत्तनम बंदरगाहों से माल सीधे नेपाल पहुंचेगा।

नाइजीरिया में स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में हैजा का प्रकोप, बोर्नी राज्य में 200 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वच्छ पानी और पर्याप्त सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नी में पिछले दो महीनों में हैजा के प्रकोप में लगभग 200 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मानवीय संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स-एमएसएफ भी कहते हैं) ने दी है। बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी एक बयान में एमएसएफ ने बीमारी के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि चल रहे राहत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी पड़ सकती है। एमएसएफ ने बोर्नी राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जुलाई तक राज्य में कम से कम 198 लोगों की मौत हो चुकी थी और 35,500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए थे। संगठन ने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों और मानवीय सहायता भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए उसने 12 जुलाई तक हैजा के संदिग्ध 24,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, संगठन ने प्रभावित समुदायों में स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की अपर्याप्त उपलब्धता को बीमारी के लगातार फैलने का कारण बताया। अप्रैल में नाइजीरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भारी बारिश और बाढ़ से जुड़े हैजा के प्रकोप के खतरे को देखते हुए 10 राज्यों को उच्च सतर्कता पर रखा था।

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवाद : 1. कीटनाशकों की मंजूरी: प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरॉन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चेरी की खेती में किया जा सकेगा।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे परागण पर असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा।

2. पानी जमा करने की इजाजत: किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान : इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क : सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है। सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।'

पहले भी विवाद में रहा है यह कीटनाशक : एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरॉन रसायन नियोनिकोटिनॉइड नाम के कीटनाशकों के समूह में आते हैं। यूरोपीय संघ के नियमों के तहत इनका इस्तेमाल कुछ शर्तों के साथ किया जा सकता है, लेकिन फ्रांस में इन पर फिलहाल प्रतिबंध है। एसेटामिप्रिड पर फ्रांस ने 2018 में प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि इसे मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए हानिकारक माना गया था।

एक साल पहले भी इस रसायन पर बैन हटाने की कोशिशें हुई थीं लेकिन फ्रांस की सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रस्ताव के खिलाफ 20 लाख से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर विरोध जताया था।

पाकिस्तान में पेट्रोल पंप मालिकों ने किया हड़ताल का ऐलान; जनता की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में अब आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की एक-एक बूंद मिलना मुश्किल हो सकता है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को लेकर एक ऐसा फैसला किया है, जिसने देश भर के पेट्रोल पंप मालिकों को नाराज कर दिया है। तेल और गैस नियामक प्राधिकरण ने घोषणा की है कि अब पेट्रोल और डीजल की कीमतें हर सात दिन के बजाय रोजाना आधार पर तय की जाएंगी। सरकार के इस कदम के खिलाफ पेट्रोल पंप मालिकों ने मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल और धरने पर जाने का ऐलान कर दिया है।

पेट्रोलियम मामलों के संघीय मंत्री अली परवेज मलिक ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अब ओ जी आर ए हर दिन तेल की कीमतें निर्धारित करेगा। इन नई कीमतों को रोजाना प्राधिकरण की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 22 जुलाई को पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 320.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 367.21 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है। ईरान-अमेरिका तनाव का पड़ा सीधा असर पाकिस्तान सरकार ने इस नीतिगत बदलाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय मंत्री अली परवेज मलिक के अनुसार, पिछले कुछ समय से ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसी अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने दैनिक आधार पर कीमतें जारी करने का फैसला लिया है, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का सही आकलन हो सके। सरकार ने पड़ना तत्काल प्रभाव सरकार का बताया कि इस फैसले से पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता आएगी। सूचना मंत्री अड्डा तारार के अनुसार, पहले वैश्विक बाजार में कीमतों में होने वाली गिरावट का फायदा जनता तक पहुंचने में एक हफ्ते का समय लगता था। अब यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उसका लाभ तुरंत उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा है कि इस व्यवस्था को लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि कीमतों में वृद्धि का प्रभाव भी जनता पर तत्काल पड़ेगा।

भारत के सामने झुके नेपाल के प्रधानमंत्री ! बालेन शाह ने भारतीय राजदूत को मिलने के लिए बुलाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने विदेशी राजनयिकों से अकेले मुलाकात नहीं करने का नियम बनाया था। अब खबर है कि वह इसी सप्ताह भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। इसे उनकी विदेश नीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के कार्यकाल को 100 दिन से थोड़ा अधिक समय हुआ है। इस दौरान उन्हें दो बड़े जनविरोधों का सामना करना पड़ा। पहला विरोध भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम ड्यूटी लागू करने को लेकर हुआ, जबकि दूसरा विरोध एक राइड-शेयर चालक की पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आत्मदाह की घटना के बाद भड़का। घरेलू चुनौतियों के बीच अब उन्होंने विदेश नीति में भी नरमी दिखाई है। रिपोर्टों के अनुसार, बालेन शाह इस सप्ताह भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीन के राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वह दोनों पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने का संदेश देना चाहते हैं। इसी वजह से दोनों मुलाकातें एक ही दिन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने कहा था कि वह किसी भी विदेशी राजनयिक से अकेले मुलाकात नहीं करेंगे। इसी नीति के तहत उन्होंने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, चीन के उप वाणिज्य मंत्री और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग बैठक करने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय उन्होंने सभी विदेशी राजदूतों के साथ केवल सामूहिक बैठक की थी। बालेन शाह की इस नई व्यवस्था की नेपाल के कूटनीतिक हलकों और मीडिया में काफी आलोचना हुई। कई पूर्व अधिकारियों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने इसे स्थापित कूटनीतिक परंपराओं के खिलाफ बताया। वरिष्ठ पत्रकार केशव प्रधान ने कहा था कि भारत के विदेश सचिव और भारतीय राजदूत से अलग मुलाकात से इनकार करना नेपाल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। अब बालेन शाह का बदला रुख बताता है कि सरकार अपनी विदेश नीति में व्यावहारिक रास्ता अपनाने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के कराची में एचआईवी का प्रकोप, 6 मासूमों की मौत, 94 बच्चे संक्रमित, दहशत में सिंध प्रांत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में है। शहर के एक सरकारी अस्पताल में एचआईवी का भयानक प्रकोप सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर से अब तक इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की वजह से 6 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 94 बच्चे संक्रमित पाए गए हैं।

नवंबर 2025 से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला : सिंध प्रांत के स्वास्थ्य सचिव ताहिर हुसैन सांगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमण का यह सिलसिला नवंबर 2025 में कराची के कुलसुम बाई वालिका अस्पताल से शुरू हुआ था। यह अस्पताल 'सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन' द्वारा संचालित किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आंतरिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि अस्पताल का रिकॉर्ड संक्रमण की भयावहता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल इस महीने में ही 16 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमित बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 94 हो गई है।

आसपास के इलाकों में फैला संक्रमण : अस्पताल में बच्चों के संक्रमित होने की खबर मिलते ही सिंध स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर टेस्टिंग शुरू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव के अनुसार, अस्पताल के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 10,000 लोगों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 120 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि संक्रमण का प्राथमिक स्रोत क्या है और यह इतनी तेजी से आबादी के बीच कैसे फैला।

पाकिस्तान में कैसे फैला एचआईवी : पाकिस्तान में HIV फैलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में भी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें एक ही सिरिंज को कई मरीजों पर इस्तेमाल करने के कारण 331 बच्चों में संक्रमण फैल गया था। जांच के दौरान अस्पताल कर्मियों द्वारा बिना स्टेराइल दस्ताने पहने इंजेक्शन लगाने और मल्टी-डोज वायल्स के साथ सिरिंज का पुनः उपयोग करने की तस्वीरें भी सामने आई थीं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि कराची के इस मामले के पीछे भी चिकित्सकीय लापरवाही और संक्रमित सुइयों का उपयोग एक बड़ी वजह हो सकता है। बढ़ते दबाव के बीच, सिंध सरकार ने सभी संक्रमित मरीजों के जीवन भर चलने वाले इलाज का खर्च उठाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग ने नामी डॉक्टरों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

ईरान पर 12वीं रात भी बरसे अमेरिकी बम, सिरिक में जोरदार धमाके; ट्रंप ने बातचीत से किया साफ इनकार

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को लगातार 12वीं रात ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से दक्षिणी ईरान का सिरिक क्षेत्र दहल उठा है, जहां देर रात भीषण धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ के सीधे आदेश पर की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह हवाई हमले बुधवार शाम करीब 5:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) शुरू किए गए। इस सैन्य ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य ईरान की उन क्षमताओं को नष्ट करना है, जिनसे वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और आम नाविकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना ने मुख्य रूप से ईरान के एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज सेंटर, सैन्य ऑपरेशन्स मुख्यालय और समुद्री रसद बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर भारी क्षति पहुंचाई है।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव : अमेरिका का दावा है कि ये हमले ईरान को जवाब देने के लिए जरूरी थे। गौरतलब है कि मंगलवार को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया था, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। इस जंग की तपिश अब पड़ोसी देशों तक भी पहुंच रही है। बहरीन और कुवैत जैसे देशों में मिसाइल हमलों की आशंका के चलते सायरन बजाकर अलर्ट जारी किया गया है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सिलसिला नहीं थमा, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और कच्चे तेल की सप्लाई चैन पर इसका विनाशकारी असर पड़ सकता है।

ट्रंप का कड़ा रुख : इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनकी ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत में कोई रुचि नहीं है। ट्रंप के हालिया बयानों ने दुनिया की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान के उन क्षेत्रों को भी निशाना बना सकती है जो परमाणु संवर्धन केंद्रों के करीब हैं। अमेरिका का स्पष्ट कहना है कि जब तक ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए खतरा बना रहेगा, तब तक यह मिशन जारी रहेगा।

ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां : ईरान भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां दे रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय शांति की अपील कर रहा है, लेकिन व्हाइट हाउस के तेवरों से लगता है कि अमेरिका ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह पंगु बनाने के मूड में है।

अमेरिका: एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते, अब किससे होगा मुकाबला?

फिनिक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह नतीजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली का सामना करेंगे। फीली नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फीली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फीली टीम के किकर थे। डीसीसीसी ने मार्लीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं। पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है। यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिग्स से हार गए। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रगतिशील और मध्यमार्गी नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे। उस साल डीसीसीसी ने प्राइमरी में किसी उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया था।

केन्या में बड़ा हादसा, भारी बारिश से सोने की खदान ढहने से 5 खनिकों की दर्दनाक मौत

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी से एक बहुत ही दुखद और भयानक खबर सामने आई है। यहां भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान की सुरंग अचानक ढह गई है। इस खदान हादसे में कम से कम पांच खनिकों की दर्दनाक मौत हो गई है। प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

नारोक काउंटी के पुलिस कमांडर पैट्रिक लोबोलिया ने इस भयानक घटना और मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस ढही हुई सुरंग के अंदर अभी भी कई खनिकों के फंसे होने की भारी आशंका है। बचाव दल उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अभी तक कई घायल खनिकों को बचाकर पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किल : पुलिस कमांडर लोबोलिया ने बताया कि किलिमापिसा इलाके में तलाशी और बचाव का काम लगातार चल रहा है। लेकिन विशेष खनन उपकरणों और अंडरग्राउंड कैमरों की कमी के कारण इस काम में काफी परेशानी आ रही है। इन जरूरी मशीनों के अभाव में खदान के अंदर चल रहा बचाव अभियान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। फिर भी बचाव दल अपनी पूरी ताकत और हिम्मत के साथ फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

किलिमापिसा की व्यावसायिक खदान : यह भीषण हादसा नारोक शहर से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में स्थित किलिमापिसा इलाके में हुआ है। किलिमापिसा में ही पूरे केन्या देश की सबसे बड़ी और प्रमुख व्यावसायिक सोने की खदान मौजूद है। यह दर्दनाक घटना देश के सोना खनन क्षेत्र में खनिकों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। पिछले कुछ वर्षों में भी केन्या की खदानों में हुए कई बड़े हादसों में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है।

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज : अधिकारियों के मुताबिक खदान ढहने की इस भयानक घटना के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गई थीं। मलबे से सुरक्षित निकाले गए कई घायल खनिकों को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत अस्पताल भेजा गया है। पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इन सभी घायलों का बहुत ही बारीकी से इलाज किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घायलों की स्थिति पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग : लगातार हो रही इन खदान दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी ज्यादा गुस्सा है। खनन क्षेत्र से जुड़े कई संगठनों ने सरकार से सुरक्षा नियमों को बहुत सख्ती से लागू करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि खदानों में काम करने वालों के लिए बेहतर सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। बिना सख्त नियमों के चल रहे इस खनन कार्य से निर्दोष और गरीब मजदूरों की जान बार-बार खतरे में पड़ रही है। केन्या में हजारों छोटे स्तर के खनिकों और मजदूरों के लिए यह सोना का खनन ही रोजी-रोटी का बड़ा जरिया है। सोना मिलने वाले इन इलाकों में कई जगहों पर बिना किसी नियम के अवैध और असुरक्षित खनन हो रहा है।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखाइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

कोटद्वार के खिलाड़ियों ने दिखाया दम

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलभद्रपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित नेशनल खेल-2026 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता में डीएवी कोटद्वार, डीएवी जगजीतपुर (हरिद्वार) और डीएवी देहरादून के खिलाड़ियों ने फुटबॉल, बॉक्सिंग और तैराकी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन मेजबान डीएवी कोटद्वार के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल और बॉक्सिंग में जोनल स्तर के लिए स्थान पक्का किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय की पर्यवेक्षिका सारिका रावत और खेल शिक्षक अजय व्यास ने ध्वजारोहण कर किया। फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में डीएवी कोटद्वार ने डीएवी जगजीतपुर (हरिद्वार) को 2-1 से हराया। वहीं अंडर-19 वर्ग में मेजबान टीम ने डीएवी देहरादून को 6-0 के बड़े अंतर से शिकस्त देकर जोनल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। बॉक्सिंग मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने तकनीकी कौशल और अनुशासन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विभिन्न भार वर्गों में डीएवी कोटद्वार और डीएवी देहरादून के खिलाड़ियों ने स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। अंडर-17 बालक वर्ग में अनिकेत मनोड़ी (57-60 किग्रा), रुद्रांश कौशल (60-63 किग्रा), आयुष तिवारी (63-66 किग्रा) और कृष्णा नेगी (66-70 किग्रा) ने जोनल स्तर के लिए क्वालीफाई किया। अंडर-14 वर्ग में आयुष्मान राणा (36-38 किग्रा) तथा अंडर-17 बालिका वर्ग में ऐश्वर्या सिंह (46-48 किग्रा) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जोनल में जगह बनाई। तैराकी प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग की 50 और 100 मीटर स्पर्धा में बीएम डीएवी हरिद्वार के शुभम ने स्वर्ण पदक जीतकर जोनल स्तर के लिए क्वालीफाई किया। समापन समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्विज प्रतियोगिता में कामनी और शिवानी ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के बेस चिकित्सालय में आयोजित 39वीं आईएपी पीडियाट्रिक क्विज प्रतियोगिता में एमबीबीएस छात्रों ने बाल रोग एवं चिकित्सा विज्ञान से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डी टीम की कामनी बिष्ट और शिवानी नेगी ने 80 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम बी की स्तुति उनियाल और वारा जोशी 59.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। विजेता टीम अब देहरादून में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मेडिकल कॉलेज श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करेगी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के ज्ञान, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारी में भी सहायक हैं। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में वैज्ञानिक समझ के महत्व पर जोर देते हुए सभी छात्रों से सीपीआर प्रशिक्षण लेने का आह्वान किया। बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. सीएम शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं।

खोह नदी तट पर किया पौध रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति ने शुक्रवार को खोह नदी के तट पर पौध रोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान सदस्यों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने के साथ ही आमजन से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।

पौध रोपण से पूर्व आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पंत ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। कहा कि पौधा लगाने के साथ उसका संरक्षण करना भी सभी की जिम्मेदारी है। हरेला पर्व के अवसर पर समिति विभिन्न स्थानों पर पौध रोपण अभियान चला रही है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी जरूरी है। समिति के सचिव केशीराम निराला ने अभियान को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र मधवाल, संरक्षक अनिल कुकरेती, उपाध्यक्ष हरीश चंद्र भट्ट, धर्मानंद ध्यानी, मीडिया प्रभारी चंद्र किशोर असवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जन समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जन समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनहित एवं सुशासन के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की जवाबदेही तभी सार्थक होगी, जब आम नागरिकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार का दायित्व है। प्रत्येक अधिकारी जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए जनता की समस्याओं के समाधान में पूर्ण संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व का परिचय दें। इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल आनंद स्वरूप एवं आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप को प्राप्त जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान जिला अथवा विभागीय स्तर पर संभव है, उनका तत्काल निस्तारण किया जाए तथा जिन प्रकरणों में उच्च स्तर पर निर्णय अपेक्षित है, उन्हें शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया जाए।

शिलान्यास के बाद भी शुरू नहीं हुआ रामलीला मंच परियोजना का निर्माण

श्रीनगर गढ़वाल : ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 1.71 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित रामलीला मंच व सौंदर्यीकरण योजना का शिलान्यास हुए आठ माह बीत चुके हैं, लेकिन पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं होने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि कुल लागत के बदले खनिज न्यास से केवल करीब 70 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं, जबकि विभाग को अब तक लगभग 20 लाख रुपए ही प्राप्त हुए हैं। इतनी राशि में निर्माण शुरू करना संभव नहीं है और कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते स्वीकृत धनराशि वापस करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। गत वर्ष 11 नवंबर 2025 को कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने परियोजना का शिलान्यास किया था।

इसके बावजूद आज तक मैदान में निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से आदर्श रामलीला समिति और शहरवासियों में नाराजगी है। समिति अध्यक्ष देवेंद्रमणि मिश्रा ने बताया कि वर्षों से स्थायी मंच की मांग की जा रही थी। मंत्री की पहल पर योजना स्वीकृत हुई, लेकिन विभागों के बीच समन्वय के अभाव में काम शुरू नहीं हो पाया। समिति ने कई बार अधिकारियों को पत्र लिखे, फोन किए और मुलाकात भी की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत भूतल पर सात दुकानें, प्रथम तल पर बहुउद्देशीय हॉल तथा सबसे ऊपर आरसीसी का स्थायी मंच बनाया जाना है। आठ माह बाद भी काम शुरू न होने से लोगों में निराशा है।(एजेंसी)

आधा यात्रा सीजन बीता, यमुनोत्री में स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अब भी अधर में

बड़कोट। चारधाम यात्रा का आधा सीजन बीतने के बावजूद यमुनोत्री धाम में स्वीकृत पांच बेड के स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। करीब 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति यात्रा तैयारियों से पहले दी गई थी लेकिन अब तक निर्माण स्थल पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। इससे श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वर्तमान में यमुनोत्री धाम में स्वास्थ्य सेवाएं वर्षों से एक निजी भवन में सीमित संसाधनों के साथ संचालित हो रही हैं। आपात स्थिति में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाती है। इसी को देखते हुए धाम में स्थायी और आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग लंबे समय से की जा रही है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर ध्यान देना जरूरी : नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटिया निर्माण के कारण जनता के धन की बर्बादी हो रही है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। क्षेत्र के स्थलीय भ्रमण के दौरान पूर्व मंत्री नेगी ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान काशीरामपुर क्षेत्र के लोगों ने बताया कि सीवर लाइन बिछाने के लिए की जा रही खुदाई के दौरान सुरक्षा दीवार की नींव भी खोद दी गई, जिससे दीवार ढह गई। उन्होंने बताया कि दीवार गिरने से सड़क पर पत्थर और मलबा आ गया, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। पूर्व मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए होते तो काशीरामपुर तल्ला के लोगों को इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने विभाग से सुरक्षा दीवार का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने, क्षतिग्रस्त स्थल को सुरक्षित बनाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान पार्षद सूरज प्रसाद कांति और क्षेत्रवासी भी मौजूद रहे।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (एचएनबीजीयू) की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 12 जुलाई को आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार परीक्षा परिणाम विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। ऐसे में सफल अभ्यर्थियों की प्रवेश संबंधी आगामी औपचारिकताएं संबंधित शैक्षणिक विभागों की ओर से पूरी कराई जाएंगी। प्रवेश परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रीतम सिंह नेगी की ओर से बताया गया कि इस वर्ष पीएचडी प्रवेश परीक्षा में पहली बार कार्बनलेस ओएमआर शीट का प्रयोग किया गया। इसके तहत प्रत्येक अभ्यर्थी को अपनी ओएमआर शीट की कार्बन प्रति साथ ले जाने की सुविधा दी गई जिससे वे विवि की ओर से जारी उत्तर कुंजी के आधार पर अपने प्राप्तांकों का स्वयं सत्यापन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि विवि ने पूर्व निर्गत पीएचडी प्रवेश अधिसूचनाओं के अनुसार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट), ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट), ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट), कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन फॉर डिजाइन (सीड), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर नेट), डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप के वैध प्रमाणपत्र के आधार पर प्रवेश परीक्षा से छूट के तहत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को भी संबंधित विभाग साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करेंगे।

कार्यभार संभालते ही सख्त हुए प्रमुख अधीक्षक

उत्तरकाशी।जिला चिकित्सालय के नवनियुक्त प्रमुख अधीक्षक डॉ. बी.एस. रावत ने पदभार ग्रहण करते ही अस्पताल में लापरवाही, अव्यवस्था और मरीजों के साथ दुर्व्यवहार पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। पहले दिन उन्होंने आपातकालीन कक्ष, ओपीडी, आईसीयू, वार्डों, प्रयोगशाला, औषधि वितरण केंद्र और प्रसूति एवं शिशु वार्ड का औचक निरीक्षण किया। डॉ. रावत ने भर्ती मरीजों और तीमारदारों से उपचार, दवा उपलब्धता, साफ–सफाई और कर्मचारियों के व्यवहार की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को समस्या होने पर सीधे संपर्क करने को कहा और चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर उपचार, उपकरणों की उपलब्धता और मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सामान्य ज्ञान में दिव्यांशु, निबंध में आंचल, भाषण में दिव्यांशी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड पौड़ी के सीआरसी कंडारा के राजकीय इंटर कॉलेज कंडारा में सामाजिक संस्था समळौण द्वारा शैक्षिक उत्थान एवं पर्यावरण विषय पर बाल युवा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी ने कहा कि छात्र-छात्राओं के लिए पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है, क्योंकि आज के बच्चे कल के भारत है, बिगड़ते हुए पर्यावरण को बचाने के लिए समलौण संस्था द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम निसंदेह हम सबके लिए प्रेरणादायक है, जिसे हमें अपने जीवन में क्रियान्वित करना होगा।

इस अवसर पर समळौण आन्दोलन की राज्य संयोजिका सावित्री देवी मंमगाई ने कहा कि हमारी संस्था समळौण छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के साथ-साथ उनके शैक्षिक को उत्थान के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करती आ रही है, ताकि बच्चे पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के साथ*-साथ उनकी शैक्षिक गतिविधियों का भी मूल्यांकन किया जा सके। इस मौके पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में दिव्यांशु मंमगाई कक्षा 10 अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कंडारा ने प्रथम, अन्नपूर्णा कक्षा 11 ने द्वितीय एवं स्वर्णिका कक्षा 12 राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि निबंध प्रतियोगिता में आंचल कक्षा 12 लीलावती राजकीय इंटर कॉलेज निसणी ने प्रथम, अनुष्का कक्षा 9 अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कंडारा ने द्वितीय, तुम्हारी स्वर्णिमा कक्षा 12 राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, भाषण प्रतियोगिता में दिव्यांशी कक्षा 12 लीलावती राजकीय इंटर कॉलेज निसणी ने प्रथम, प्राची कक्षा 9 राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैडुल ने द्वितीय, लविका कक्षा 10 अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कंडारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य चन्द्रशेखर नौटियाल ने कहा कि समलौण संस्था द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा, बच्चे पर्यावरण के प्रति जागरूक होंगे और वृक्षों के प्रति भावनात्मक लगाव रखकर उन्हें काटने से बचाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर शिक्षक सुरेश पंवार, सुनील बमराड़ा, विश्वपति डबराल, सुजाता मैठाणी, नरेश बडोनी, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दिनेश नौटियाल एवं समलौण आंदोलन के जिला संयोजक पवन पटवाल ने किया।

डिजिटल युग में मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक

डीएम ने दिये दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क व्यवस्था सुधारने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कार्यालय सभागार में जिला टेलीकॉम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में दूरसंचार सेवाओं की वर्तमान स्थिति, मोबाइल नेटवर्क विस्तार, डिजिटल कनेक्टिविटी, 4जी सैचुरेशन तथा भारत नेट परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल युग में मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है।

नेटवर्क की अनुपलब्धता के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक कार्यों, ऑनलाइन सेवाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं उत्पन्न होती हैं, जिससे विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

बैठक में जिलाधिकारी ने बीएसएनएल सहित सभी दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित मोबाइल टावरों का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जनपद के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क कवरेज में प्रभावी सुधार हो सके। उन्होंने मोबाइल टावरों की परफॉर्मेंस, इंटरनेट स्पीड, नेटवर्क रेंज, कॉल गुणवत्ता एवं कवरेज से संबंधित सभी तकनीकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद में कार्यशील टावरों की समीक्षा करते हुए जहां अतिरिक्त टावरों की आवश्यकता है, वहां सर्वे कर विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नेटवर्क संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी दूरसंचार कंपनियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से लोंग सेगड़ी, कुनीगाड़, ईराणी, बिरही सहित अन्य गांवों एवं क्षेत्रों में नेटवर्क संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। भारत नेट परियोजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में 4जी सैचुरेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही भारत नेट के तहत हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पंचायत भवनों की सूची तैयार कर आईटीडीए को प्रेषित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जयवीर नेगी, अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार सहित बीएसएनएल, एयरटेल, जियो, वीआई तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लाइसेंस, फार्मासिस्ट की उपस्थिति, सीसीटीवी व्यवस्था और दवाओं की गुणवत्ता की हुई जांच

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देशानुसार जनपद में औषधियों की गुणवत्ता एवं मेडिकल स्टोरों पर औषधि नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि निरीक्षक चमोली हार्दिक भट्ट द्वारा कर्णप्रयाग स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सभी मेडिकल स्टोरों पर औषधि लाइसेंस की वैधता, पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति में औषधियों के क्रय-विक्रय तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम एवं उसके अंतर्गत निर्धारित नियमों के अनुपालन की जांच की गई। मेडिकल स्टोरों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों एवं उनकी रिकॉर्डिंग व्यवस्था का भी सत्यापन किया गया। इसके अलावा एक्सपायरी दवाओं के पृथक एवं सुरक्षित रख-रखाव, मनः प्रभावी औषधियों के भंडारण तथा उनके क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों एवं बिलों का भी गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कर्णप्रयाग क्षेत्र से विभिन्न औषधियों के तीन नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु एकत्रित किए गए। साथ ही स्प्यूरियस (नकली/संदिग्ध) दवाओं की रोकथाम के उद्देश्य से भी तीन औषधियों के नमूने लिए गए। औषधि निरीक्षक ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया कि नार्कोटिक औषधियों का वितरण केवल अधिकृत चिकित्सक के वैध पर्चे के आधार पर ही किया जाए तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत लाइसेंस की सभी शर्तों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें।

डाबरा तोक को जोड़ने वाला खस्ताहाल मार्ग बना खतरा

पुरोला। विकासखंड मोरी की ग्राम पंचायत ओसला में सड़क से डाबरा तोक तक जाने वाला अश्व व जनसंपर्क मार्ग खस्ताहाल और संकरा होने से ग्रामीणों के लिए परेशानी का ककारण बना हुआ है। बरसात के दौरान मार्ग की स्थिति और अधिक खराब होने लगी है जिससे पैदल चलना जोखिमभरा हो गया है। ग्रामीणों ने मार्ग की हालत में सुधार की मांग के लिए शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन भी दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के बीच से गुजरने वाला यह मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। कई स्थानों पर मार्ग इतना संकरा हो चुका है कि एक व्यक्ति का सुरक्षित निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इसका सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों व बुजुर्गों और दैनिक आवाजाही करने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है। ग्राम प्रधान बृजमोहन लाल ने बताया कि ओसला विश्व प्रसिद्ध पर्यटन गांव है जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में देश–विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत**- दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं**- निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने**- इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्काडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्काडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अनकैप्ड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैंपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज़ का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पार्क ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किक मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका मान निलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें'प्लेयर ऑफ़ द मैच'का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ हैः या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा

अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।